डिजीटल पत्र

दैनिक

कांग्रेस दर्पण

पटना, 17 जून, सोमवार, 2024

बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवादल सदाकत आश्रम पटना - 10

ईवीएम ऐसा 'ब्लैक बॉक्स' है, जिसकी जांच की इजाजत नहीं

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

दुनिया के सबसे बड़े बिजनेसमैन एलन मस्क के ईवीएम को लेकर किये गये ट्वीट के बाद राहुल गांधी ने भी तंज किया है। राहुल गांधी ने कहा है कि भारत में ईवीएम को ब्लैक बॉक्स बना दिया गया है, जिसकी जांच की इजाजत की किसी भी नागरिक को नहीं है। ये लोकतंत्र के लिए खतरनाक बात है। बता दें कि एलन मस्क ने एक ट्वीट में कहा है कि हमें ईवीएम के इस्तेमाल से बचना चाहिये। ईवीएम को एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से कहीं से भी हैक किया जा सकता है। इसके बाद राहुल गांधी ने मुंबई की एक घटना और एक अखबार कटिंग का हवाला देते हुए ईवीएम पर तंज किया है।

ईवीएम विवाद : एलन मस्क के ट्वीट के बाद राहुल गांधी का तंज

क्या कहा है राहुल गांधी ने

ईवीएम पर विवाद के बीच राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट किया है। इसमें राहुल ने मुंबई की घटना का जिक्रकिया है। बता दें कि मुंबई पुलिस ने ईवीएम को लेकर शिवसेना शिंदे गुट के सांसद रविन्द्र वायकर के साले मंगेश पांडिलकर के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज की है। मंगेश पांडिलकर पर आरोप है कि उसने मुंबई के गोरेगांव चुनाव सेंटर के अंदर पाबंदी होने के बावजूद मोबाइल का इस्तेमाल किया था। एक अन्य मीडिया रपट में कहा गया है कि उनका मोबाइल ईवीएम से कनेक्ट था और इसमें चुनाव आयोग के एक कर्मी ने मंगेश की मदद की। इस कर्मचारी के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया है।

क्या है पूरा मामला

बता दें कि मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा सीट से शिवसेना, एकनाथ शिंदे गुट के प्रत्याशी रविंद्र वायकर ने इस लोकसभा चुनाव में सिर्फ 48 वोटों से जीत दर्ज की है। 2024 के लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में जीत का ये सबसे छोटा अंतर है। ये जीत भी उन्हों वोटों की दोबारा गिनती के बाद मिली है। इस मामले में मुंबई पुलिस को नॉर्थ पश्चिम सीट से लड़ने वाले कई उम्मीदवारों की तरफ से शिकायतें मिली थीं। इसी के बाद केस दर्ज किया गया। रविन्द्र वायकर के दोबारा काउंटिंग के बाद सिर्फ 48 वोटों से चुनाव जीतने को लेकर भी काफी विवाद हुआ था।

एनटीए की सत्यनिष्ठा और नीट आयोजित करने के तरीके पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे: कांग्रेस

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

नई दिल्ली। कांग्रेस ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की सत्यनिष्ठा और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को आयोजित करने के तौर तरीके ''गंभीर सवालों'' के घेरे में हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं 2014 और 2019 के बीच संसद की स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संबंधी स्थायी समिति का सदस्य था। मैं उस समय नीट के लिए मिलने वाले व्यापक समर्थन को याद करता हूं। लेकिन ऐसे सांसद भी थे, विशेष रूप से तमिलनाडु से जिन्होंने चिंता जताई थी कि नीट से सीबीएसई के छात्रों को लाभ मिलेगा और दूसरे बोर्ड एवं स्कूलों से आने वाले विद्यार्थियों को नुकसान पहुंचेगा।''

उन्होंने कहा, ''मुझे अब लगता है कि इस सीबीएसई संबंधी मुद्दे पर उचित विश्लेषण की जरूरत है। क्या नीट भेदभावपूर्ण है? क्या गरीब तबके के विद्यार्थियों को अवसरों से वंचित किया जा रहा है? महाराष्ट्र जैसे अन्य राज्यों ने भी नीट को लेकर गंभीर संदेह व्यक्त किया है।''

रमेश ने कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की सत्यनिष्ठा और नीट को जिस तरह से डिजाइन और आयोजित किया जाता है उसके तरीकों पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। कांग्रेस महासचिव ने दावा किया कि पिछले दशक में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने अपना पेशेवर रवैया स्वयं खत्म कर दिया है।उन्होंने कहा, ''उम्मीद है कि नई स्थायी समितियां गठित होने पर नीट, एनटीए और एनसीईआरटी की गहन समीक्षा करेगी। इसे सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए।'' नीट परीक्षा पांच मई को 4,750 केंद्रों पर आयोजित की गई थी और इसमें करीब 24 लाख अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया था। परिणाम 14 जून को घोषित होने की उम्मीद थी, लेकिन उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पहले ही पूरा हो जाने के कारण परिणाम चार जून को घोषित कर दिए गए।

बिहार में प्रश्नपत्र लीक होने तथा इस प्रतिष्ठित परीक्षा में अन्य अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। केंद्र और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि उन्होंने एमबीबीएस और ऐसे अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा देने वाले 1,563 उम्मीदवारों को दिए गए कृपांक रद्द कर दिए हैं। इस संबंध में केंद्र ने कहा है कि उनके पास या तो दोबारा परीक्षा देने या समय की हानि के लिए दिए गए कृपांक को छोड़ने का विकल्प होगा। कांग्रेस ने शुक्रवार को इस मामले पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ''चुप्पी'' को लेकर सवाल उठाया था और कहा था कि केवल उच्चतम न्यायालय की निगरानी वाली जांच ही लाखों युवा छात्रों के भविष्य की रक्षा कर सकती है।

टीडीपी के लोकसभा स्पीकर प्रत्याशी को इंडिया गठबंधन समर्थन के लिए तैयार, इस नेता ने की घोषणा

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

लोकसभा स्पीकर पद के लिए अगर तेलगु देशम पार्टी यानी टीडीपी अपना प्रत्याशी उतारती है, तो इंडिया अलायंस के सांसद उसका समर्थन करेंगे। उद्धव ठाकरे गुट के शिवसेना नेता संजय राउत ने ये घोषणा की है। एक कार्यक्रम में राउत ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव इस बार महत्वपूर्ण होगा। अगर बीजेपी नेता को यह पद मिलता है तो पार्टी (बीजेपी) सरकार का समर्थन करने वाले दलों टीडीपी, जनता दल यूनाइटेड के साथ और चिराग पासवान व जयंत चौधरी की भी पार्टियों को तोड़ने का काम करेगी। बता दें कि 24 जून से 18वीं लोकसभा का पहला सत्र शुरू होने वाला है। इसके बाद 26 जून को लोकसभा में स्पीकर पद के लिए चुनाव होना है।

बीजेपी लगाये ये आरोप: संजय राउत ने मीडिया के समक्ष दावा करते हुए कहा, "हमें अनुभव है कि भाजपा उन लोगों को धोखा देती है जो उसका समर्थन करते हैं।" राउत ने आगे कहा, ₹मैंने सुना है कि टीडीपी अपना उम्मीदवार खड़ा करना चाहती है। अगर ऐसा होता है, तो 'इंडिया' गठबंधन के सहयोगी इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे और यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेंगे कि विपक्षी गठबंधन के सभी सहयोगी तेदेपा को समर्थन दें।₹ गौरतलब है कि 4 जून को लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे आने के बाद से स्पीकर पद के लिए खींचतान जारी है, जो अब तक नहीं थमा है। बीजेपी की अगुवाई वाले एनडीए को इसमें 293 सीटें मिली हैं। वहीं इंडिया गठबंधन को 234 सीटों पर जीत मिली है।

बीजेपी संसदीय दल की बैठक नहीं हुई: शिवसेना नेता ने आगे कहा, "हम पूरे घटनाक्रम पर नजर रख रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) संसदीय दल की बैठक में नेता चुना गया था, न कि भाजपा संसदीय दल की बैठक में। उन्होंने कहा, ₹भाजपा संसदीय दल की बैठक नहीं हुई। अगर भाजपा संसदीय दल की बैठक में नेतृत्व का मुद्दा आता तो नतीजे अलग हो सकते थे। इसलिए एनडीए संसदीय दल की बैठक में मोदी को नेता चुना गया। यह गंभीर मामला है।₹

'एनडीए सरकार गलती से बनी, ज्यादा दिन नहीं चलेगी'

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

बंगलूरू। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का दावा है कि एनडीए सरकार ज्यादा दिन नहीं चलेगी और ये कभी भी गिर सकती है। खरगे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को अपने सहयोगियों को एकजुट रखने में काफी परेशानी हो रही है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का बड़ा दावा

खरगे बोले–कभी भी गिर सकती है ये सरकार

बंगलूरू में मीडिया से बात करते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि 'एनडीए सरकार गलती से बनी। मोदी जी के पास जनादेश नहीं है, यह अल्पमत की सरकार है। यह सरकार कभी भी गिर सकती है। उन्होंने कहा, 'हम चाहते हैं कि यह जारी रहे, यह देश के लिए अच्छा हो, हमें देश को मजबूत बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।'

उल्लेखनीय है कि 543 सदस्यों वाली लोकसभा में बहुमत का आंकड़ा 272 है, लेकिन भाजपा बहुमत के आंकड़े से काफी पीछे रही और 240 सीटों पर ही जीत दर्ज कर सकी। ऐसे में सरकार बनाने के लिए भाजपा एनडीए गठबंधन के सहयोगियों पर निर्भर है। जिनमें 16 सीटें जीतने वाली तेदेपा, 12 सीटें जीतने वाली जदयू और एकनाथ शिंदे की शिवसेना (7) और लोजपा (5) प्रमुख हैं।

खरगे के बयान पर एनडीए का पलटवार

खरगे के बयान पर जदयू ने पलटवार किया है और उनसे पूछा कि जब कांग्रेस ने गठबंधन की सरकार बनाई थी, तब उनके प्रधानमंत्री का स्कोर कार्ड क्या थे? बता दें कि साल 1991 के लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने भी इतनी ही सीटें जीतीं थी, जितनी भाजपा ने 2024 में जीती हैं। बिना किसी स्पष्ट बहुमत के कांग्रेस ने पीवी नरसिम्हा राव के नेतृत्व में अल्पमत की सरकार बनाई थी। हालांकि पीवी नरसिम्हा राव ने छोटी पार्टियों को तोड़कर अपनी अल्पमत की सरकार को दो साल में ही बहुमत की सरकार बना लिया था।

पूर्व सीएम बघेल का बलौदाबाजार हिंसा पर बड़ा आरोप, आम आदमी का सरकार से भरोसा उठा

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

रायपुर। बलौदाबाजार की घटना पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आरोप लगाया है कि पूरे आयोजन के पीछे भाजपा के नेताओं का हाथ है। भाजपा के लोगों ने भीड़ को भड़का कर पूरे घटना को अंजाम दिया। बलौदाबाजार का आम आदमी डरा सहमा हुआ है। उन्हें सरकार से भरोसा उठ गया है।

बघेल ने कहा कि कुछ प्रश्न है जिनके जवाब सामने आ जाएं तो सारा मामला साफ हो जाएगा। इस पूरे आंदोलन में भाजपा के जिलाध्यक्ष सनम जांगड़े सहित अन्य भाजपा नेताओं की भूमिका की जाँच होनी चाहिए। धरना प्रदर्शन को कलेक्टर से परमीशन दिलाने वाला कौन था? रैली में आने वाले हजारों लोगों के लिए भोजन, मंच, पंडाल, माइक के लिए रुपयों की व्यवस्था किसने किया?

इतनी बड़ी घटना के बाद भड़काऊभाषण देने वाले भीम आर्मी के लोगो की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई? नागपुर से 250 से अधिक लोग आए थे वो कौन थे? सरकार ने उन पर नजर क्यों नहीं रखा था? भीड़ में लोग लाठी, डंडा लेकर आए थे प्रशासन क्या कर रहा था? उनको रोका क्यों नहीं गया? रैली की शुरुआत से ही उपद्रव शुरू हो गया था उसके बावजूद लोगो को कलेक्ट्रेट क्यों जाने दिया गया? भीड़ को रोकने की कोशिश क्यों नहीं हुई?

सरकार को आत्म अवलोकन करना चाहिए : बैज

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मुख्यमंत्री को मंत्रियों के विभागों की समीक्षा के बजाय अपनी पूरी सरकार का आत्म अवलोकन करना चाहिए। छह माह में भाजपा की पूरी सरकार ही विफल साबित हुई है, सिर्फ मंत्रियों के विभागों की समीक्षा से कुछ हासिल नहीं होने वाला है। पूरी सरकार हर मोर्चे पर फेल साबित हो चुकी है।

बैज ने कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार और कुशासन का दौर हावी है। कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है। एसपी कलेक्टर कार्यालय जला दिया गया। हत्याओं का नया रिकार्ड बन गया। प्रदेश में माब लिंचिंग शुरू हो गई। महिलाओं के प्रति अपराधों में बढ़ोतरी हो गई है। नक्सलवादी घटनाओं में बढ़ोत्तरी हो गई है। रेत के दाम तीन गुना बढ़ गए हैं। भाजपाई सत्ताधीशों और रेत माफियाओं के बीच सांठगांठ होने से बाजार पर माफिया हावी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि खाद बीज का संकट बरकरार है। किसान परेशान हो रहे हैं।

कांग्रेस के चुनाव परिणाम समीक्षा समिति की पहली बैठक, 5 सीटों पर हार की हुई समीक्षा

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

रांची: लोकसभा चुनाव में झारखंड की 5 सीटों पर हार की समीक्षा करने के लिए कांग्रेस ने चुनाव परिणाम समीक्षा समिति बनाई है. पूर्व राज्यसभा सांसद प्रदीप बलमुचू के नेतृत्व में बनी इस समिति की पहली बैठक रविवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में हुई. बैठक में समिति के सदस्य प्रदीप तुलस्यान, भीम कुमार और सुल्तान अहमद मौजूद थे. बैठक में बलमुचू ने कहा कि कांग्रेस ने 07 सीटों पर अपने उम्मीदवार गठबंधन के तहत उतारे थे. जिसमें से हमें सिर्फ दो सीटों पर जीत मिली, बाकी पांच सीटों पर हम हार गए. सभी परिस्थितियां अनुकूल होने के बावजूद हम क्यों हारें इसके कारणों की पड़ताल बहुत जरूरी है. कहा कि अपनी चूक, कमियों को जानकर अगर समय रहते उसे दूर कर लेते हैं तो आगामी विधानसभा चुनाव में संगठन को और मजबूत किया जा सकता है.

समिति करेगी लोकसभा क्षेत्रों का दौरा

बैठक में लिये गये निर्णयों की जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने कहा कि समिति प्रथम चरण में गोड्डा, धनबाद, हजारीबाग, चतरा, रांची लोकसभा का दौरा करेगी. लोकसभा क्षेत्र में पड़ने वाले प्रत्येक जिला मुख्यालय में समिति के सदस्य लोकसभा प्रत्याशी, संबंधित लोकसभा क्षेत्र के जिला प्रभारी, जिला अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, प्रखंड अध्यक्ष, प्रखंड पदाधिकारी, लोकसभा प्रभारी, अग्रणी मोर्चा संगठन एवं विभाग, वरिष्ठ कांग्रेसियों से जानकारी लेंगे कि चुनाव के दौरान किस प्रकार की चूक हुई है.

समिति 20 जून को गोड्डा, 21 जून को धनबाद, 22 जून को हजारीबाग, 23 जून को चतरा और 24 जून को रांची लोकसभा क्षेत्र में चुनाव परिणाम की समीक्षा होगी. इसके बाद दोनों जीती हुई लोकसभा सीट खूंटी और गोड्डा लोकसभा सीट पर भी समिति के सदस्य जाएंगे.

आज दिनांक 16/06/2024 को कोडरमा जिला युवा कांग्रेस कमेटी द्वारा केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान जी का पुतला दहन किया गया, जिस तरह से ठएएल वॅ 2024 की परीक्षा में पेपर लिक, ग्रेस मार्क, एक ही सेंटर से 8-8 छात्रों का टॉप करना। बिहार, रांची, हजारीबाग, गुजरात समेत देश के अन्य जगहों से लगातार छापेमारी के दौरान संदिग्ध वस्तुओं का मिलना जिससे ये साबित हो रहा है कि सत प्रतिशत बात सच्ची है कि परीक्षा में पेपर लीक हुई है और इस धांधली में राजनीतिक समीकरण की भी बु आ रही है, इन सब के बावजूद नव नियुक्त केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान जी के द्वारा कोई भी शख्त क़दम नहीं उठाया जा रहा है, जिसके विरोध में आज कोडरमा जिला युवा कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशरफ अली के नेतृत्व में झुमरी तिलैया झंडा चौक पे केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन कर के विरोध प्रदर्शन किया गया एवं धर्मेंद्र प्रधान मुर्दाबाद ठलअ होश में आओ जैसे नारे लगाए गए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कोडरमा कांग्रेस कमेटी के प्रखंड अनिल दास जी विधानसभा अध्यक्ष सद्दाम अंसारी जी,जिला उपधायच शोएब अख्तर,जिला उपाध्यक्ष संजय दास,सद्दाब आलम, जमाल अंसारी,सक्किब आलम,मनोज सिंह,मोहक कुमार,वाशिम अली,अफरीदी खान, अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

महागामा विधायक दीपिका पांडेय सिंह हो सकती हैं चंपई सरकार में मंत्री

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

चंपई सरकार में कांग्रेस कोटे का मंत्री पद खाली, कांग्रेस ने अबतक तय नहीं किया है नाम, दीपिका बन सकती हैं मंत्री !

इस बार किसी महिला को कांग्रेस बना सकती है मंत्री

रांची : टेंडर कमीशन घोटाले में जेल में बंद आलमगीर आलम के इस्तीफे के बाद चंपई सरकार में मंत्री का एक पद खाली है. यह पद कांग्रेस कोटे से किसी विधायक से भरा जाएगा, लेकिन कांग्रेस ने अबतक किसी विधायक का नाम नहीं दिया है. जोहर लाइव से बातचीत में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि किस विधायक को मंत्री बनाया जाएगा अभी यह फाइनल नहीं हुआ है. उम्मीद है बकरीद के बाद इसपर प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर से चर्चा के बाद नाम फाइनल होगा. गौरतलब है कि कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर अभी जम्मू–कश्मीर में हैं. वे 21 जून को पश्चिम बंगाल जाएंगे उसके बाद 22 को झारखंड पहुंचेंगे

आलमगीर आलम के इस्तीफे के बाद से खाली है मंत्री पद: झामुमो–कांग्रेस–राजद गठबंधन के तहत झारखंड सरकार में चार मंत्री पद कांग्रेस को मिला है. आलमगीर के इस्तीफे के बाद एक पद खाली है. मंत्री

पद पाने के लिए कई विधायक रांची से दिल्ली तक के वरिष्ठ नेताओं की चिरौरी कर रहे हैं. झारखंड में कांग्रेस विधायकों की कुल संख्या 17 है. उम्मीद जताई जा रही है कि इस बार कांग्रेस मंत्री पद किसी महिला विधायक को देगी. कांग्रेस के पास 4 महिला विधायक हैं. पिछली बार हेमंत कैबिनेट में भी इनमें से किसी को पहुंचने का मौका नहीं मिला था. इसलिए इस बार पार्टी नेतृत्व महिला विधायक को ही मंत्री बना सकती है.

दीपिका की नाराजगी दूर करने के लिए मंत्री पद दे सकती है कांग्रेस

अगर किसी महिला विधायक को कांग्रेस कोटे से मंत्री बनाया जाता है तो सबसे पहला नाम महगामा की विधायक दीपिका पांडेय सिंह का आयेगा. दीपिका पांडेय सिंह को इस वजह से भी पार्टी मंत्री बना सकती है कि लोकसभा चुनाव में उन्हें गोड्डा लोकसभा सीट का प्रत्याशी घोषित कर बाद में टिकट वापस लिया गया था. दीपिका और उनके समर्थकों को बुरा तो बहुत लगा था, लेकिन उन्होंने किसी तरह का विरोध जाहिर नहीं किया. गोड्डा से कांग्रेस के प्रत्याशी बनाये प्रदीप यादव के पक्ष में चुनाव प्रचार किया, हालांकि प्रदीप चुनाव हार गये. कांग्रेस दीपिका की नाराजगी को दूर करने के लिए उन्हें मंत्री बना सकती है.

कांग्रेस नेता राहुल गांधी सोमवार को फैसला कर लेंगे कि वो वायनाड रखेंगे या रायबरेली

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी सोमवार को फैसला कर लेंगे कि वो वायनाड रखेंगे या रायबरेली। वो दोनों जगह से जीत कर लोकसभा पहुंचे हैं। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी सोमवार को अपने फैसले की जानकारी देंगे। राहुल गांधी ने दोनों सीटों पर भारी मतों से जीत दर्ज की है। राहुल गांधी फिलहाल वायनाड से लोकसभा सदस्य थे। लोकसभा चुनाव 2024 में इसी सीट से चुनाव लड़ कर वो फिर जीत गए। राहुल गांधी रायबरेली सीट से भी चुनावी मैदान में उतरे और जीत हासिल की। इस सीट को गांधी परिवार की पारंपरिक सीट माना जाता है।

आखिरी बार इस सीट का प्रतिनिधित्व उनकी मां सोनिया गांधी ने किया था। सोनिया गांधी ने इस सीट से चुनाव नहीं लड़ा, वह राज्यसभा सदस्य बन गई हैं। राहुल गांधी बुधवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं का आभार जताने के लिए पहुंचे थे। यहां पर उन्होंने कहा था कि वह दुविधा में हैं कि कौन सी सीट रखें और कौन सी सीट छोड़ दें। उन्होंने कहा कि वह जो भी फैसला लेंगे, उससे सभी खुश होंगे।

इस बयान के बाद अटकलें तेज हो गईं कि उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा को यहां से चुनावी मैदान में उतारा जा सकता है। कलपेट्टा में एक जनसभा में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और कन्नूर से लोकसभा सदस्य के. सुधाकरन ने बुधवार को कहा था, ₹राहुल गांधी पार्टी के हित में वायनाड सीट खाली करेंगे।₹ हालांकि, कांग्रेस विधायक और पूर्व राज्य मंत्री एपी अनिल कुमार ने कहा कि सभी लोग चाहते हैं कि राहुल गांधी वायनाड सीट बरकरार रखें।

जय जनता
जय हिन्द